

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

कार्यवृत्त

दिनांक 01 अगस्त, 2011 को पूर्वाह्न 11:30 बजे विश्वविद्यालय परिसर स्थित सेण्टर फॉर एकेडमिक्स में सम्पन्न हुई विद्या परिषद की बैठक की कार्यवाही :-

बैठक में निम्नांकित सदस्यगण उपस्थित रहें :-

- | | |
|----------------------------------|---------|
| 1. प्रो० हर्ष कुमार सहगल, कुलपति | अध्यक्ष |
| 2. प्रो० नन्द लाल | सदस्य |
| 3. डॉ० शील निगम, | सदस्या |
| 4. डा० यू०एन० शुक्ला, | सदस्य |
| 5. डॉ० बी०एस० श्रीवास्तव | सदस्य |
| 6. डा० आर०के० आर्या | सदस्य |
| 7. डा० ए०एस० भटनागर | सदस्य |
| 8. डॉ० भृगुपति पाण्डेय, | सदस्या |
| 9. प्रो० मृदुला भदौरिया, | सदस्या |
| 10. डा० रेनु जैन, | सदस्य |
| 11. प्रो० संजय कुमार श्रीवास्तव | सदस्य |
| 12. प्रो० शिखा मिश्रा, | सदस्या |
| 13. डॉ० बी०एस० पाण्डेय | सदस्य |
| 14. डॉ० चम्पा श्रीवास्तव | सदस्या |
| 15. डॉ० रेनु निगम | सदस्या |
| 16. डॉ० ए०के० द्विवेदी | सदस्य |
| 17. डॉ० एन०सी० शुक्ला | सदस्य |
| 18. डॉ० वी०के० अग्रवाल | सदस्य |
| 19. डॉ० नितेश दुबे | सदस्य |
| 20. डॉ० प्रभा धीर | सदस्या |
| 21. डॉ० गीता माथुर | सदस्या |
| 22. डॉ० एन०एम० निगम | सदस्य |

(1)



23. डा0 रेनु धवन	सदस्या
24. डाँ0 आर0सी0एस0 चन्देल,	सदस्य
25. डाँ0 अल्का कटियार	सदस्या
26. डाँ0 एन0पी0 सिंह	सदस्य
27. डाँ0 सन्दीप कुमार सिंह	सदस्य
28. डा0 एस0एन0एस0 आबिदी	सदस्या
29. डाँ0 वी0बी0 दीक्षित	सदस्य
30. डा0 वी0के श्रीवास्तव	सदस्य
31. डाँ0 ए0 दीक्षित	सदस्य
32. डाँ0 बी0एल0 श्रीवास्तव	सदस्य
33. प्रो0 मुकेश रंगा	सदस्य
34. डा0 अर्पिता यादव	सदस्या
35. डाँ0 आर0पी0 श्रीवास्तव	सदस्य
36. डाँ0 बी0के0 त्रिपाठी	सदस्य
37. डाँ0 राम लखन पाल,	सदस्य
38. डाँ0 आर0पी0 सिंह	सदस्य
39. डा0 आर0पी0 शर्मा	सदस्य
40. डाँ0 अखिलेश अग्रवाल	सदस्य
41. डाँ0 ए0के0 दीक्षित	सदस्य
42. डाँ0 श्रीश मित्तल	सदस्य
43. डाँ0 प्रवीन कटियार	सदस्य
44. डाँ0 निशा शर्मा	सदस्या
45. डा0 रवीन्द्र नाथ कटियार	सदस्य
46. श्री विशाल अवस्थी	सदस्य
47. श्री विजय कुमार सिंह	सदस्य
48. श्रीमती बृष्टि मित्रा	सदस्या
49. श्रीमती ममता	सदस्या
50. डाँ0 राशि अग्रवाल	सदस्या



79. इन्जी. राजेन्द्र प्रताप सिंह
80. डा0 ऐजाज अहमद खान
81. डॉ0 विवेक द्विवेदी
82. श्री सय्यद वकार हुसैन,

सदस्य
सदस्य
विशेष आमंत्रित
सचिव

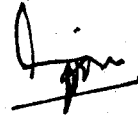
अध्यक्ष महोदय ने विद्या परिषद के सभी सम्मानित सदस्यों का स्वागत करते हुए बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ की। बैठक में विस्तृत विचारोपरान्त मदवार निम्नांकित निर्णय लिये गये।

मद सं0-1: विद्यापरिषद की विगत बैठक दिनांक: 12 जुलाई, 2010 के कार्यवृत्त के सम्पुष्टिकरण पर विचार।

विद्यापरिषद की सम्पन्न बैठक दिनांक 12 जुलाई, 2010 की कार्यवाही को सम्पुष्ट किये जाने के पूर्व विशेष आमन्त्रित सदस्य डा0 विवेक द्विवेदी-ने गत बैठक में लिये गये निर्णय विशेष रूप से विश्वविद्यालय में परास्नातक स्तर पर सेमेस्टर प्रणाली लागू किये जाने के सम्बन्ध में अद्यतन स्थिति से अवगत कराये जाने का अनुरोध किया गया। जिसपर अध्यक्ष महोदय ने परिषद को यह अवगत कराया कि परास्नातक स्तर पर सेमेस्टर प्रणाली लागू किये जाने सम्बन्धी अध्यादेश महामहिम कुलाधिपति को प्रेषित किया जा चुका है तथा इस सम्बन्ध में शासन स्तर से कतिपय पृच्छायें की गयी हैं, जिसका उत्तर भी प्रेषित किया जा चुका है। चूंकि अध्यादेश महामहिम कुलाधिपति/शासन स्तर पर विचाराधीन है अतएव अनुमोदन प्राप्त होते ही इसे लागू कर दिया जायेगा। इस प्रकार गत बैठक के समस्त निर्णयों का अनुपालन किया जा चुका है।

उपर्युक्त से अवगत होते हुए विद्यापरिषद में विगत बैठक दिनांक 12 जुलाई, 2010 के कार्यवृत्त को सर्वसम्मति से पुष्टि किया गया।

मद सं0-2: उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार स्नातक स्तर पर पाठ्यक्रमों के मानकीकरण के दृष्टिगत स्नातक स्तर पर शैक्षिक सत्र 2011-12 से समान पाठ्यक्रम लागू किये जाने हेतु कुल 49 विषयों/पाठ्यक्रमों की बोर्ड ऑफ स्टडीज की संस्तुतियों के अनुमोदन पर विचार।



सर्वप्रथम अध्यक्ष महोदय ने स्नातक स्तर के 49 पाठ्यक्रमों को तैयार किये जाने हेतु समस्त बोर्ड आफ स्टडीज के संयोजकों को धन्यवाद देते हुए परिषद से बोर्ड आफ स्टडीज की समान पाठ्यक्रम की संस्तुतियों को सत्र 2011-12 से केवल प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए ही लागू किये जाने हेतु परिषद के विचारार्थ प्रस्तुत किया। परिषद ने सर्वसम्मति से बोर्ड आफ स्टडीज की संस्तुतियों को यथावत् अनुमोदित करते हुए यह मत व्यक्त किया कि स्नातक स्तर पर समान पाठ्यक्रम की व्यवस्था तथा परास्नातक स्तर पर सेमेस्टर प्रणाली दोनों ही एक साथ सत्र 2011-12 से लागू किये जाये। अध्यक्ष महोदय ने पुनः अवगत कराया कि विद्या परिषद की समान पाठ्यक्रम की संस्तुतियों को दिनांक 04 अगस्त 2011 को सम्पन्न होने वाली कार्य परिषद से अनुमोदित होते ही महामहिम कुलाधिपति एवं शासन को अनुमोदनार्थ प्रेषित की जायेगी। अनुमोदन प्राप्त होते ही शैक्षिक सत्र 2011-12 से स्नातक प्रथम वर्ष से ही लागू किया जायेगा।

मद सं०-3: विश्वविद्यालय परिसर में इन्स्टीट्यूट आफ फाइन आर्ट की स्थापना एवं इसके अन्तर्गत शैक्षिक सत्र 2011-12 से चार वर्षीय बैचलर आफ फाइन आर्ट पाठ्यक्रम संचालित किये जाने हेतु ड्राइंग एवं पेंटिंग विषय की बोर्ड ऑफ स्टडीज की संस्तुति दिनांक 17.02.2011 के अनुमोदन पर विचार।

विद्या परिषद ने इन्स्टीट्यूट आफ फाइन आर्ट की स्थापना सम्बन्धी अध्यादेश को सर्वसम्मति से अनुमोदित करते हुए विश्वविद्यालय परिसर में शैक्षिक सत्र 2011-12 से चार वर्षीय बैचलर आफ फाइन आर्ट पाठ्यक्रम संचालित किये जाने हेतु ड्राइंग एण्ड पेंटिंग विषय की बोर्ड आफ स्टडीज की संस्तुति दिनांक 17.01.2011 को सर्वसम्मति से अनुमोदित किया। अध्यक्ष महोदय द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि इस पाठ्यक्रम के संचालन से जहां एक तरफ कानपुर नगर में काफी समय से छात्रों द्वारा इस पाठ्यक्रम को प्रारम्भ करने की मांग की पूर्ति होगी वही दूसरी तरफ विश्वविद्यालय से दक्ष एवं कुशल कलाकार निकल सकेंगे।



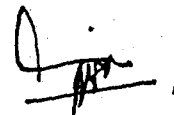
मद सं०-4: डा० सोमवंशी, विभागाध्यक्ष, पैथालॉजी विभाग, आई.वी.आर.आई., इज्जतनगर द्वारा पी.एच.-डी. थीसिस तैयार किये जाने के लिए मानक निर्धारित किये जाने हेतु कमेटी के गठन पर विचार ।

अध्यक्ष महोदय ने विश्वविद्यालय में जमा हो रहे पी०-एचडी० थीसिस की गुणवत्ता बनाये रखने के लिए मानक निर्धारित किये जाने की आवश्यकता पर बल देते हुए विद्या परिषद से बहुमूल्य सुझाव मांगा । विद्या परिषद ने सर्वसम्मति से विस्तृत विचारोपरान्त मानक निर्धारित किये जाने हेतु सम्बन्धित संकायाध्यक्षों के नेतृत्व में संकायवार कमेटी के गठन का सुझाव रखा । संकायवार गठित होने वाली इस कमेटी में संकाय के ही दो या तीन पाठ्यक्रम संयोजक एवं बाहर के विश्वविद्यालयों के पांच विषय विशेषज्ञ होंगे । परिषद ने इस पर सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त करते हुए स्वीकृति प्रदान की ।

मद सं०-5: विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर संस्कृत विषय का पठन-पाठन एवं शोध कार्य संस्कृत भाषा में ही कराये जाने हेतु संस्कृत विषय की बोर्ड आफ स्टडीज की संस्तुति दिनांक 11.07.2011 के अनुमोदन पर विचार ।

अध्यक्ष महोदय ने परिषद को सर्वप्रथम यह अवगत कराया कि विश्वविद्यालय में प्रायः संस्कृत विषय के शोध-प्रबन्ध हिन्दी भाषा में ही तैयार कर जमा किये जाते हैं । महामहिम कुलाधिपति कार्यालय से संस्कृत विषय के शोध प्रबन्ध एवं शिक्षण कार्य संस्कृत भाषा में ही कराये जाने के बराबर निर्देश प्राप्त होते रहे हैं । परिषद ने विस्तृत विचारोपरान्त यह मत व्यक्त किया कि उपर्युक्त के दृष्टिगत संकायाध्यक्ष कला संकाय एवं संस्कृत विषय के संयोजक से एक विस्तृत प्रस्ताव प्राप्त कर लिया जाय जिससे कि समयबद्ध रूप से महामहिम कुलाधिपति के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके ।

मद सं०-6: विद्या परिषद की बैठक दिनांक 24 जुलाई, 2009 के मद संख्या-15 पर लिये गये निर्णय के क्रम में डेण्टल काउन्सिल ऑफ इण्डिया के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय से सम्बद्ध दन्त संकाय में संचालित बी.डी.एस. (पंचवर्षीय) पाठ्यक्रम लागू किये जाने के अनुमोदन पर विचार ।



विद्या परिषद ने डेण्टल काउन्सिल ऑफ इण्डिया के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय से सम्बद्ध दन्त संकाय में संचालित बी.डी.एस. (पंचवर्षीय) पाठ्यक्रम लागू किये जाने सम्बन्धी पाठ्यक्रम को सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया तथा इसे शैक्षिक सत्र 2011-12 से लागू किये जाने का निर्णय लिया ।

मद सं०-7: विश्वविद्यालय परिसर में इण्टरनेशनल वालेण्टियर टाइम बैंक की स्थापना के साथ ही आर.के. देवी आई रिसर्च इन्स्टीट्यूट के तकनीकी सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर के छात्र-छात्राओं हेतु कम्प्यूनिटी सर्विस को उनके पाठ्यक्रम में प्रोजेक्ट के तौर पर शामिल किये जाने पर विचार ।

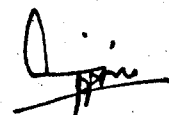
विद्या परिषद ने इण्टरनेशनल वालेण्टियर टाइम बैंक की स्थापना के साथ आर.के. देवी आई रिसर्च इन्स्टीट्यूट के तकनीकी सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर के छात्र-छात्राओं हेतु कम्प्यूनिटी सर्विस को उनके पाठ्यक्रम में प्रोजेक्ट के तौर पर शामिल करने सम्बन्धी, प्रभारी, यूनीवर्सिटी इन्स्टीट्यूट आफ पैरामेडिकल साइन्सेज के प्रस्ताव पर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया ।

मद सं०-8: विश्वविद्यालय परिसर में संचालित इन्स्टीट्यूट आफ पैरामेडिकल साइन्सेज के अन्तर्गत शैक्षिक सत्र 2011-12 से बी.एस.-सी. इन योगा पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जाने पर विचार ।

यूनीवर्सिटी इन्स्टीट्यूट आफ पैरामेडिकल साइन्सेज के अन्तर्गत स्नातक स्तर पर बी०एससी० इन योगा पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जाने के प्रस्ताव पर विद्या परिषद ने सर्वसम्मति से सैद्धान्तिक सहमति प्रदान करते हुए यह भी निर्णय लिया कि शैक्षिक सत्र 2011-12 से पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जाने के पूर्व शिक्षकों की उपलब्धता एवं अन्य अवस्थापना सुविधा एवं मानक सुनिश्चित कर लिये जाय ।

अनुपूरक कार्यसूची

मद सं०-1: विश्वविद्यालय से सहयुक्त महाविद्यालयों में स्नातक स्तर पर शारीरिक शिक्षा को एक विषय के रूप में सम्मिलित किये जाने के सम्बन्ध में प्राचार्य, वी०एस०एस०डी० कॉलेज, कानपुर के प्रस्ताव पर विचार ।



विद्या परिषद में विश्वविद्यालय से सहयुक्त महाविद्यालयों में स्नातक स्तर पर शारीरिक शिक्षा को एक विषय के रूप में सम्मिलित किये जाने हेतु प्राचार्य, वी०एस०एस०डी० कॉलेज, कानपुर के प्रस्ताव पर विस्तृत विचारोपरान्त समस्त तथ्यों यथा एन.सी.टी.ई. क दिशा-निर्देश, सम्बद्धता एवं पाठ्यक्रम की प्रकृति (अनिवार्य अथवा वैकल्पिक) आदि के समग्र परीक्षण हेतु प्राचार्य, वी०एस०एस०डी० कॉलेज, कानपुर की अध्यक्षता में एक कमेटी के गठन का निर्णय लिया । इस कमेटी में अधिष्ठाता, शिक्षण प्रशिक्षण संकाय, डा० आर०पी० सिंह, डा० एच०एस० यादव,, एवं डा० सुशील शुक्ला अन्य सदस्य के रूप में होंगे ।

मद सं०-2: छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में मान्यवर कांशीराम जी शोधपीठ एवं शोध क्रिया-कलाप प्रारम्भ कराये जाने हेतु विश्वविद्यालय के प्रस्ताव पर विचार ।

विद्या परिषद ने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित मान्यवर कांशीराम जी शोधपीठ में शोध क्रिया-कलाप प्रारम्भ किये जाने हेतु प्रो० पी०के० कुश के प्रस्ताव पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया । विचारोपरान्त परिषद ने प्रो० पी०के० कुश, की अध्यक्षता में इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, एवं समाजशास्त्र विषयों के पाठ्यक्रम संयोजकों की एक कमेटी गठित की तथा कमेटी से यह अपेक्षा की, कि मान्यवर कांशीराम जी शोध पीठ में शोध कार्य एवं अन्य शैक्षिक क्रिया-कलाप यथाशीघ्र प्रारम्भ किये जाने के निमित्त अपनी संस्तुतियां यथाशीघ्र परिषद के निर्णयार्थ प्रस्तुत करेंगे ।

मद सं०-3: विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में एम. फिल. पाठ्यक्रम संचालित किये जाने की अनुमति पर विचार ।

अध्यक्ष महोदय ने महाविद्यालयों में एम.फिल. पाठ्यक्रम संचालित करने से पूर्व उपलब्ध संसाधनों एवं शैक्षिक सुविधाओं तथा पाठ्यक्रम की उपयोगिता आदि के साथ ही अन्य विस्तृत पहलुओं के परीक्षण किये जाने पर बल दिया । तद्आलोक में समग्र विचारोपरान्त विद्या परिषद द्वारा विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में एम.फिल. पाठ्यक्रम संचालित किये जाने हेतु सैद्धान्तिक रूप से सहमति व्यक्त की गयी ।



मद सं०-4: श्रीमती ज्योति तिवारी एवं श्री शिवेन्द्र कुमार निगम शोधार्थी शिक्षा शास्त्र के प्रकरण पर आर.डी.सी. द्वारा निरस्त किये जाने की संस्तुति, जिसे माननीय कुलपति जी द्वारा अनुमोदित किया जा चुका है, से विद्या परिषद को संसूचित किया जाना ।

श्रीमती ज्योति तिवारी एवं श्री शिवेन्द्र कुमार निगम शोधार्थी शिक्षा शास्त्र के प्रकरण पर आर.डी.सी. द्वारा निरस्त किये जाने की संस्तुति, जिसे माननीय कुलपति जी द्वारा अनुमोदित किया जा चुका है, से विद्या परिषद संसूचित हुई ।

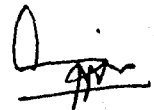
अन्य बिन्दु

मद सं०-1: विश्वविद्यालय के आई०बी०एम० की बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक दिनांक 31.07.2011 की निम्नांकित संस्तुतियों के अनुमोदन पर विचार ।

- i. विश्वविद्यालय में डिप्लोमा इन अरबन मैनेजमेण्ट पाठ्यक्रम संचालित किया जाना एवं,
- ii. त्रिवर्षीय स्नातक स्तर पर बैचलर डिग्री इन अरबन मैनेजमेण्ट पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया जाना ।

विद्या परिषद ने सर्व सम्मति से विश्वविद्यालय के आई०बी०एम० की बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक दिनांक 31.07.2011 की संस्तुति जिसमें विश्वविद्यालय से सम्बद्ध आचार्य नरेन्द्र देव नगर निगम महिला महाविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2011-12 से डिप्लोमा इन अरबन मैनेजमेण्ट एवं स्नातक स्तर पर बैचलर डिग्री इन अरबन मैनेजमेण्ट पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जाने का अनुमोदन किया ।

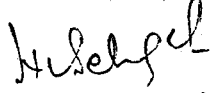
मद सं०-2: आयुर्वेद/यूनानी संकाय हेतु सी.सी.आई.एम. द्वारा निर्धारित स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की स्वीकृति हेतु संयुक्त अध्ययन बोर्डों की संस्तुति जिसे संकायाध्यक्ष, आयुर्वेद/यूनानी द्वारा प्रस्तुत किया गया, पर विद्या परिषद द्वारा सर्वसम्मति से यथावत् अनुमोदन प्रदान किया गया ।




मद् सं०-३: संयोजक पाठ्यक्रम समिति समाजशास्त्र द्वारा परिषद को यह अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय परिसर में संचालित समाज कार्य विभाग हेतु आर०डी०सी० गठित नहीं है इस सम्बन्ध में विस्तृत विचारोपरान्त परिषद ने यह निर्णय लिया कि समाजशास्त्र की आर०डी०सी०/बोर्ड आफ स्टडीज के माध्यम से ही समस्त शोध एवं शैक्षणिक कार्य सम्पादित किये जायेंगे ।

मद् सं०-४: अध्यक्ष महोदय द्वारा विश्वविद्यालय परिसर के अंग्रेजी विभाग में संचालित लैंग्वेज लैब को छात्रों के लिए अधिक आकर्षक एवं उपयोगी बनाये जाने हेतु पूर्व में निर्धारित सुरक्षा धनराशि न लिये जाने का प्रस्ताव रखा गया जिसपर परिषद में सर्वसम्मति से अपनी सहमति व्यक्त की ।

अन्त में अध्यक्ष महोदय को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बैठक की कार्यवाही समाप्त हुई ।


(हर्ष कुमार सहगल)
कुलपति/अध्यक्ष


(सय्यद वक्कस हुसैन)
कुलसचिव/सचिव